अध्याय 12 : भारतीय पुनर्जागरण

भारतीय पुनर्जागरण

- ❖ कारण
- ❖ परिचय
- ❖ स्वरूप
- ❖ साधन
- ❖ प्रभाव
- ❖ सीमाएं

ब्रिटिश सामाजिक नीतियां

प्रमुख आंदोलन

धर्म

हिंदू

- यंग बंगाल
- ब्रह्म समाज
- आर्य समाज
- थियोसिफिकल
- रामकृष्ण मिशन
- प्रार्थना समाज

मुस्लिम

- बहावी
- अहमदिया
- देवबंद

सिख

पारसी

- रहनुमाई

समाज

- ❖ समाज
- ❖ दलित उत्थान
- ❖ महिला उत्थान
- ❖ विविध

1) भारतीय पुनर्जागरण

1) **अर्थ :-** भारत के प्राचीन गौरव को पुनः स्थापित करते हुए सामाजिक रूढ़ियों व कुरीतियों की समाप्ति

2) **विशेषताएं :-**

- भारतीय पुनर्जागरण, पश्चिमी उदारवादी विचारधारा और भारतीय प्रगतिशील विचारधारा का सम्मिश्रण थी
- कुछ पुनर्स्थापना वादी मूल्य
- तर्कवाद, विज्ञानवाद व मानवतावादी मूल्यों पर आधारित
- धार्मिक सार्वभौमिकता
- क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग
- सामाजिक समता व महिलाओं की स्वतंत्रता पर बल
- शिक्षा के माध्यम से आधुनिक प्रगतिशील विचारों का प्रचार
- पश्चिमी ज्ञान का समर्थन परन्तु पाश्चात्यकरण का विरोध

1) Indian Renaissance

1) **Meaning :-** Re-establishing the ancient glory of India while ending social customs and malpractices.

2) **Characteristics :-**

- Indian Renaissance was a blend of Western liberal ideology and Indian progressive ideology
- Some restorationist values
- Based on rationalism, scientism, and humanist values
- Religious universalism
- Use of regional languages
- Emphasis on social equality and women's freedom
- Promotion of modern progressive ideas through education
- Support for Western knowledge but opposition to Westernization

अधिनियम	वर्ष	गवर्नर जनरल/वायसराय	सम्बंधित विषय
बालिका शिशु वध प्रतिबंध	1795	सर जॉन शोर	नवजात कन्याओं की हत्या पर रोक इसे साधारण हत्या के समान अपराध घोषित किया गया
शिशु वध प्रतिबंध	1795-1804	सर जॉन शोर, लॉर्ड वेलेजली	शिशु हत्या पर प्रतिबंध
सती प्रथा निषेध	1829	लॉर्ड विलियम बैंटिक	सती प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध
दास प्रथा पर प्रतिबंध	1843	लॉर्ड एलनबरो	दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया
हिन्दू विधवा पुनर्विवाह	1856	लॉर्ड कैनिंग	विधवा पुनर्विवाह को अनुमति
सिविल मैरेज एक्ट / नेटिव मैरिज एक्ट	1872	लॉर्ड नॉर्थ ब्रुक	बहुपत्नी प्रथा पर प्रतिबंध, लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 14 वर्ष निर्धारित
एज ऑफ कंसेंट एक्ट	1891	लॉर्ड लैंसडाउन	विवाह की न्यूनतम आयु 12 वर्ष निर्धारित
शारदा एक्ट	1930	लॉर्ड इर्विन	लड़कियों एवं लड़कों की विवाह योग्य न्यूनतम आयु 14-18 वर्ष निर्धारित
हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिनियम	1937	लॉर्ड लिनलिथगो	हिन्दू महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार

Act / Law	Year	Governor General / Viceroy	Subject Matter
Girl Infant Killing Prohibition	1795	Sir John Shore	Killing of newborn girls was banned and declared equivalent to ordinary murder
Infanticide Prohibition	1795–1804	Sir John Shore, Lord Wellesley	Ban on the killing of infants
Prohibition of Sati Practice	1829	Lord William Bentinck	Complete ban on the practice of Sati
Prohibition of Slavery	1843	Lord Ellenborough	The practice of slavery was abolished
Hindu Widow Remarriage	1856	Lord Canning	Widow remarriage was permitted
Civil Marriage Act / Native Marriage Act	1872	Lord Northbrook	Ban on polygamy; minimum marriage age for girls fixed at 14 years
Age of Consent Act	1891	Lord Lansdowne	Minimum age of marriage fixed at 12 years
Sharda Act	1930	Lord Irwin	Minimum marriageable age fixed at 14 years for girls and 18 years for boys
Hindu Women's Property Act	1937	Lord Linlithgow	Right to property granted to Hindu women

3) भारतीय पुनर्जागरण के उदय के कारण

1) आधुनिक शिक्षा प्राप्त भारतीय प्रगतिशील एवं मध्यम वर्ग का उदय :-

- **प्रमुख सुधारक** - राजा राममोहन राय, दयानंद सरस्वती, ज्योतिबा फूले, पंडित रमाबाई, एनी बेसेंट आदि
- इनके अलावा सरकारी कर्मचारी वकील डॉक्टर आदि द्वारा सुधार का प्रयास

2) पश्चात एवं भारतीय संस्कृति का संघर्ष :-

- 1813 के अधिनियम के बाद ईसाई मिशनरियों द्वारा जबरन धर्मांतरण
- ब्रिटेन द्वारा भारतीय संस्कृति का तिरस्कार व भारत के पश्चिमीकरण का प्रयास
- सुधारको द्वारा प्राचीन गौरवशाली इतिहास की व्याख्या

1813 → शिक्षा
1833 → English → WEST Sub. → भारतीय

3) Reasons for the rise of Indian Renaissance

1) Rise of the modern educated Indian progressive and middle class :-

- **Major reformer** - Raja Ram mohan Roy, Dayanand Saraswati, JyotibaPhule, Pandit Rama bai, Annie Besant etc.
- Apart from these, attempts to improve by government servants, lawyers, doctors etc.

2) Aftermath and the struggle of Indian culture :-

- Forced conversion by Christian missionaries after the Act of 1813
- British disdain of Indian culture and attempts to westernize India
- Interpretation of ancient glorious history by reformers

3) **भारतीय समाज की कुरीतियां :-** भारतीय समाज में व्याप्त बुराइयां जैसे सती प्रथा बाल विवाह आदि

- अस्पृश्यता, जातिवाद, कर्मकांड आदि का विरोध

4) **अन्य कारण :-**

- रेलवे, डाक, तार, प्रेस जैसी आधुनिक तकनीकों व संचार साधनों का विकास
- पाश्चात्य आधुनिक शिक्षा व मानवतावाद, स्वतंत्रता, समानता जैसे मूल्यों का प्रसार
- औपनिवेशिक नीतियों द्वारा भारतीय समाज के मूल ढांचे में परिवर्तन
- **रुसो** - प्रकृति ने सभी को समान बनाया है

3) **Evils of Indian society :-** Evils prevalent in Indian society like Sati system, child marriage etc.

- Opposing untouchability, casteism, rituals etc.

4) **Other reasons:-**

- Development of modern technologies and means of communication like railway, post, telegram, press
- Western modern education and spread of values like humanism, liberty, equality
- Changes in the basic structure of Indian society by colonial policies
- **Russo** - Nature created everyone equal

8.1) राजा राम मोहन राय एवं ब्रह्म समाज (Raja Ram Mohan Roy and Brahmo Samaj)

"मानव सभ्यता का आदर्श अलग अलग रहने में नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे में है" ("The ideal of human civilization is not in living separately, but in mutual brotherhood")

1) राजा राममोहन राय का परिचय
Introduction to Raja Ram Mohan Roy

3) राजा राममोहन राय का योगदान
Contributions of Raja Ram Mohan Roy

2) राजा राममोहन राय के विचार
Ideas of Raja Ram Mohan Roy

4) ब्रह्म समाज (1828)
Brahmo Samaj (1828)

A) राजा राममोहन राय का परिचय / Introduction to Raja Rammohan Roy

1) सामान्य जानकारी / General Information

- **जन्म / Birth** - 22 मई 1772, राधानगर, हुगली, बंगाल / 22 May 1772, Radhanagar, Hooghly, Bengal
- **माता पिता / Parents** - नारिणी देवी तथा रमाकांत (बंगाल नवाब के यहां कार्यरत)
  Naraini Devi & Ramakant (Employed with Bengal Nawab)
- **अरबी, फारसी, संस्कृत, लैटिन जैसी 12 भाषाओं का ज्ञान**
  [Proficient in 12 languages: Arabic, Persian, Sanskrit, Latin, etc.]
- **1803 में पिता की मृत्यु के बाद 1814 तक ईस्ट इंडिया कंपनी में नौकरी**
  Worked for East India Company from 1803 to 1814, after father's death
- **1831 में मुगल सम्राट अकबर द्वितीय द्वारा राजा की उपाधि**
  Titled 'Raja' by Mughal Emperor Akbar II in 1831
- **मृत्यु / Death** - 27 सितंबर 1833, ग्रीन कॉलेज, ब्रिस्टल (इंग्लैंड), (मस्तिष्क ज्वर)
  27 Sept 1833, Green College, Bristol, England (Meningitis)
- **मुख्य कार्य / Key Work** - सती प्रथा उन्मूलन हेतु कानून (4 दिसम्बर 1829)
  Law against Sati Practice (4 Dec 1829)

2) संस्थान / Institutions

- **1814 : आत्मीय सभा (द्वारिकानाथ ठाकुर के साथ एकेश्वरवाद को**
  1814: Atmiya Sabha (With Dwarkanath Tagore,
- **1816 : वेदांत सोसायटी**
- **1817 : हिन्दू कॉलेज कलकत्ता (डेविड हेयर की सहायता से**
  1817: आधुनिक शिक्षा के प्रसार हेतु)
- **1821 : कलकत्ता यूनीटेरियन कमेटी**
  1821: Calcutta Unitarian Committee
- **1825 : वेदांत कॉलेज, कलकत्ता**
  1825: Vedanta College, Calcutta
- **1828 : ब्रह्म समाज (अद्वैतवादी हिंदुओं की संस्था)**
  1828: Brahmo Samaj (Organization of Monotheistic Hindus)

3) मुख्य समाचार पत्र (भारतीय पत्रकारिता का अग्रदूत)

- **1821 : बंगाली में 'संवाद कौमुदी' (सती प्रथा विरोध) तथा प्रज्ञा का चांद**
  1821: 'Sambad Kaumudi' (Bengali) [Against Sati] & Pragya Ka Chand
- **1822 : फारसी में 'मिरात उल अखबार'**
  1822: 'Mirat-ul-Akbar' (Persian)
- **अंग्रेजी में ब्रह्म निकल मैगजीन**

अंग्रेजी में ब्रह्म
Brahmanical Magazine
(English)

Rammohan Itaited Presentation redesign

A) राजा राममोहन राय का परिचय

1) **सामान्य जानकारी :-**

- **जन्म -** 22 मई 1772, राधानगर, हुगली, बंगाल
- **माता पिता -** तारिणी देवी तथा रमाकांत (बंगाल नवाब के यहां कार्यरत)
- अरबी, फारसी, संस्कृत, लैटिन जैसी 12 भाषाओं का ज्ञान
- 1803 में पिता की मृत्यु के बाद 1814 तक ईस्ट इंडिया कंपनी में नौकरी
- 1831 में मुगल सम्राट अकबर द्वितीय द्वारा राजा की उपाधि
- **मृत्यु -** 27 सितंबर 1833, ग्रीन कॉलेज, स्टेपलटन, ब्रिस्टल (इंग्लैंड), (मस्तिष्क ज्वर)
- **मुख्य कार्य -** सती प्रथा उन्मूलन हेतु कानून (4 दिसम्बर 1829)

A) Introduction to Raja Ram Mohan Roy

1) **General Information :-**

- **Birth -** 22 May 1772, Radhanagar, Hooghly, Bengal
- **Parents -** Tarini Devi and Ramakant (who worked at the Bengal Nawab's court)
- Knowledge of 12 languages such as Arabic, Persian, Sanskrit, Latin
- After father's death in 1803, worked in the East India Company until 1814
- In 1831, granted the title of "Raja" by Mughal Emperor Akbar II
- **Death -** 27 September 1833, Green College, Stapleton, Bristol (England) (due to brain fever)
- **Main Work -** Law for the abolition of Sati practice (4 December 1829)

2) संस्थान :-

- **1814 :** आत्मीय सभा (द्वारिकानाथ ठाकुर के साथ एकेश्वरवाद को बढ़ावा देने हेतु)
- **1816 :** वेदांत सोसायटी
- **1817 :** हिन्दू कॉलेज कलकत्ता (डेविड हेयर की सहायता से आधुनिक शिक्षा के प्रसार हेतु)
- **1821 :** कलकत्ता यूनीटेरियन कमेटी
- **1825 :** वेदांत कॉलेज, कलकत्ता
- **1828 :** ब्रह्म समाज (अद्वैतवादी हिंदुओं की संस्था)

3) मुख्य समाचार पत्र (भारतीय पत्रकारिता का अग्रदूत) :-

- **1821 :** बंगाली में "संवाद कौमुदी"(सती प्रथा विरोध) तथा प्रज्ञा का चांद
- **1822 :** फारसी में "मिरात उल अखबार"
- अंग्रेजी में ब्रह्मनिकल मैगजीन

2) Institutions :-

- **1814 :** Atmiya Sabha (with Dwarikanath Tagore, to promote monotheism)
- **1816 :** Vedanta Society
- **1817 :** Hindu College, Calcutta (with the help of David Hare, to spread modern education)
- **1821 :** Calcutta Unitarian Committee
- **1825 :** Vedanta College, Calcutta
- **1828 :** Brahmo Samaj (an organization of non-dualist Hindus)

3) Major Newspapers (Pioneer of Indian Journalism) :-

- **1821 :** "Sambad Kaumudi" in Bengali (against Sati practice) and Pragya Ka Chand
- **1822 :** "Mirat ul Akhbar" in Persian
- Brahminical Magazine in English

4) पुस्तकें :-

- **1809 :** फारसी भाषा में तुहकात-उल-मुवाहिदीन या एकेश्वर वादियों का उपहार(Gift to Monotheistic) - मूर्ति पूजा का खंडन
- **1820-23 :** प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस (जॉन डिग्बी की सहायता से लंदन में प्रकाशन)
- **अन्य -** बंगला व्याकरण, हिन्दू उत्ताधिकार नियम, वेदों व उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद

5) उपनाम/सम्मान नाम :-

- आधुनिक भारत का जनक
- भारतीय पत्रकारिता के अग्रदूत
- भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत

4) Books :-

- **1809 :** "Tuhfat-ul-Muwahiddin" in Persian, also known as Gift to Monotheists — a refutation of idol worship
- **1820–23 :** "Precepts of Jesus" (published in London with the help of John Digby)
- **Others -** Bengali Grammar, Hindu Law of Inheritance, translation of the Vedas and Upanishads into Bengali

5) Nicknames / Honorary Titles :-

- Father of Modern India
- Pioneer of Indian Journalism
- Pioneer of Indian Renaissance

6) तथ्य :-

- सती प्रथा के विरोध की प्रेरणा - 1811 में बड़े भाई जगमोहन की मृत्यु पर जबरन उनकी भाभी अलकामंजरी को सती होना पड़ा
- **1803 :** ईस्ट इंडिया कंपनी के रंगपुर स्थित कलेक्ट्रेट में लिपिक की नौकरी ग्रहण की
- वे संस्कृत, फारसी, अरबी, अंग्रेजी, ग्रीक, यहूदी, फ्रेंच, लैटिन आदि 12 भाषाओं के ज्ञाता थे
- **शिक्षा के क्षेत्र में कार्य -** 1817 में डेविड हेयर की सहायता से कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की बाद में यही प्रेसिडेंसी कॉलेज बना 1817 में कलकत्ता में एक अंग्रेजी विद्यालय एवं 1825 में वेदांत कॉलेज की स्थापना की

6) Facts :-

- Inspiration for opposing Sati practice — In 1811, upon the death of his elder brother Jagmohan, his sister-in-law Alakamanjari was forcibly made to commit Sati
- **1803 :** Took up the job of a clerk at the East India Company's collectorate in RangpurHe was a master of 12 languages including Sanskrit, Persian, Arabic, English, Greek, Hebrew, French, and Latin
- **Work in the field of Education -** In 1817, with the help of David Hare, he established Hindu College in Calcutta (which later became Presidency College); in 1817 he also established an English school in Calcutta, and in 1825 he founded Vedanta College

D.3) ब्रह्म समाज का विभाजन

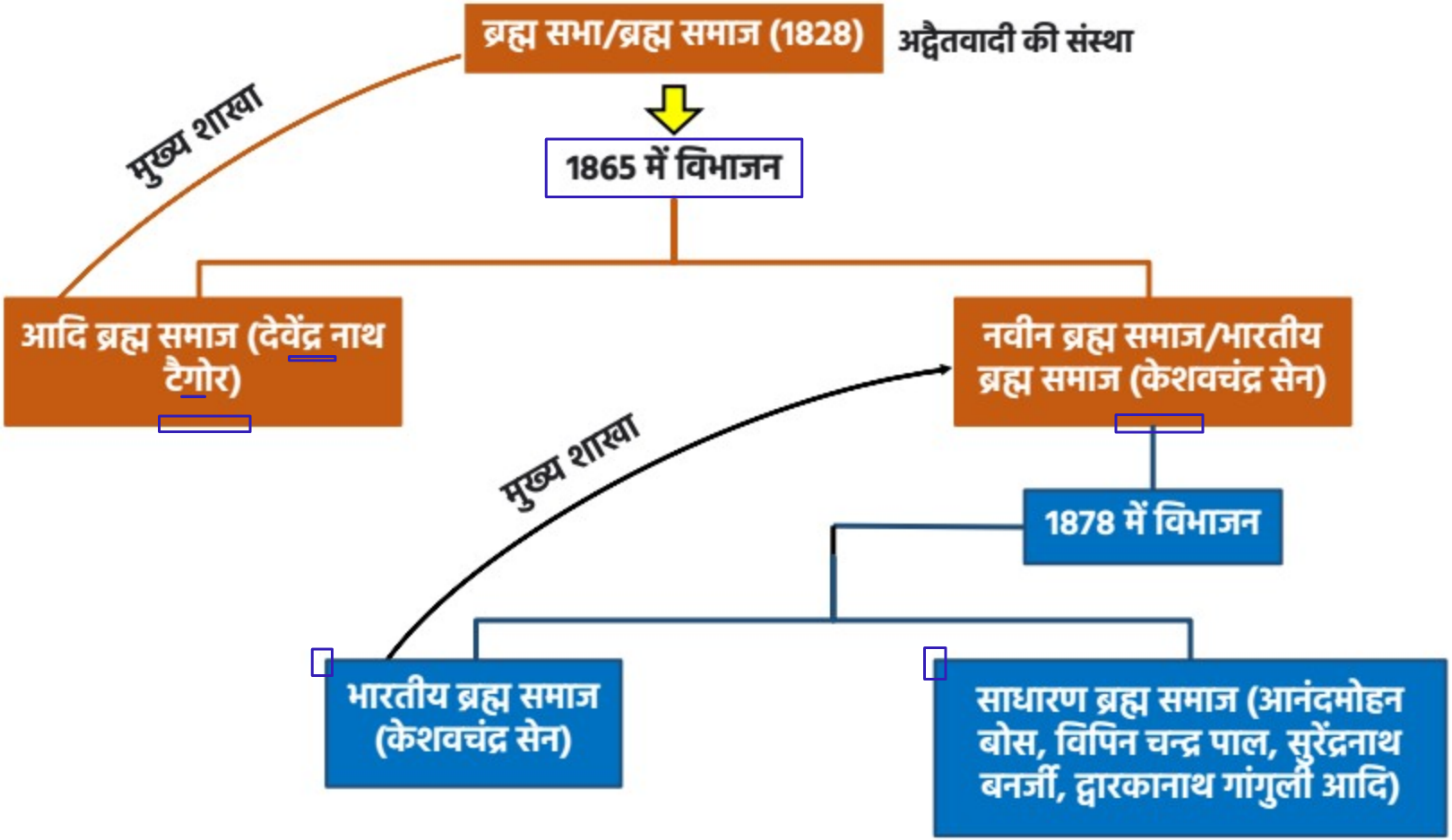

D.3) Division of Brahmo Samaj

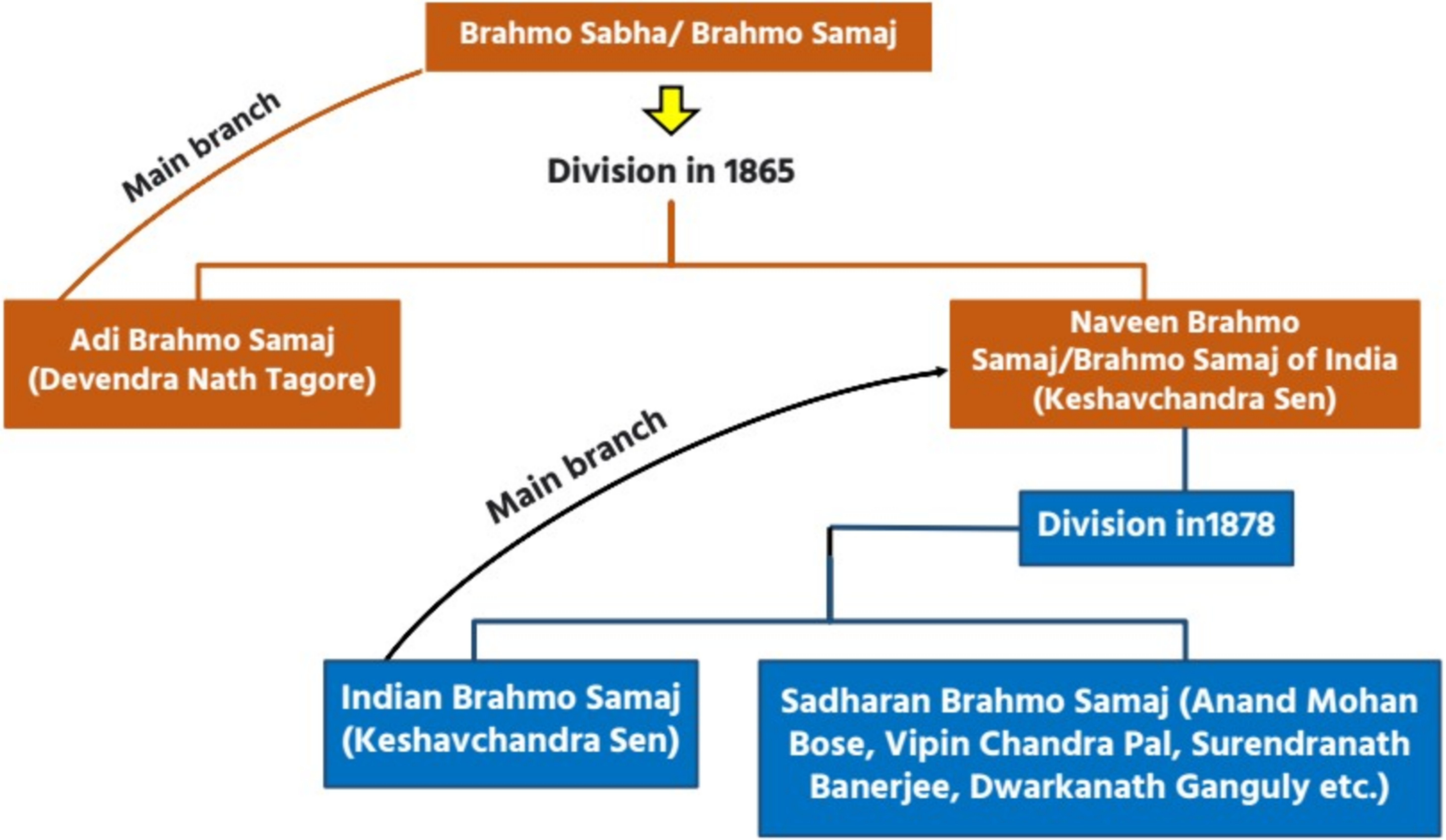

केशवचंद्र सेन (Keshav Chandra Sen)

1) 1857 में ब्रह्म समाज के आचार्य बने तथा उदारवादी विचारों के कारण ब्रह्म समाज का पंजाब, उत्तर प्रदेश, बम्बई, मद्रास में विस्तार

2) **मुख्य संस्थान :-**
   - भारतीय ब्रह्म समाज (1865 में ब्रह्म समाज के विखंडन से निर्मित संस्था)
   - इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन
   - मद्रास में वेद समाज तथा महाराष्ट्र में प्रार्थना समाज की स्थापना में योगदान

3) **अखबार/पुस्तकें :-** प्रथम दैनिक अंग्रेजी अखबार इंडियन मिरर(1861)

1) Became Acharya of Brahmo Samaj in 1857 Due to liberal ideas, expanded Brahmo Samaj to Punjab, Uttar Pradesh, Bombay, and Madras

2) **Main Institutions :-**
   - Indian Brahmo Samaj (formed from the split of Brahmo Samaj in 1865)
   - Indian Reform Association
   - Contributed to the establishment of Veda Samaj in Madras and Prarthana Samaj in Maharashtra

3) **Newspapers/Books :-** First daily English newspaper Indian Mirror (1861)

केशवचंद्र सेन (Keshav Chandra Sen)

4) प्रमुख विचार :-

- अत्यधिक उदारवादी - ब्रह्म समाज में ईसाई, मुस्लिम, पारसी आदि धर्म पुस्तकों का अध्ययन
- जॉन दी वैप्टिस्ट, ईसा मसीह के जीवन से प्रभावित
- महिलाओं के उद्धार, नारी शिक्षा, अंतरजातीय विवाह के समर्थक जबकि बाल विवाह के विरोधी
- पश्चिमी शिक्षा के समर्थक

5) उपलब्धियां :-

- ब्रह्म समाज को अखिल भारतीय स्वरूप
- महाराष्ट्र में प्रार्थना सभा की स्थापना में योगदान
- 1872 में बाल विवाह व बहु विवाह समाप्ति हेतु ब्रह्म विवाह अधिनियम पारित कराने में भूमिका

6) मृत्यु :- 8 जनवरी 1884(भारत ने अपना श्रेष्ठतम पुत्र खो दिया - मैक्समूलर)

4) Key Ideas :-

- Extremely liberal — studied Christian, Muslim, Parsi and other religious texts within Brahmo Samaj
- Influenced by the lives of John the Baptist and Jesus Christ
- Supported women's upliftment, women's education, inter-caste marriage; opposed child marriage
- Supporter of Western education

5) Achievements :-

- Gave Brahmo Samaj an all-India character
- Contributed to the establishment of Prarthana Sabha in Maharashtra
- Played a role in passing the Brahmo Marriage Act 1872 to end child marriage and polygamy

6) Death :- 8 January 1884 ("India has lost her best son" — Max Müller)

देवेंद्र नाथ टैगोर (Devendra Nath Tagore)

1) **जन्म :-** 15 मई 1817, कलकत्ता (**Born :** 15 May 1817, Calcutta)

2) **पिता :-** द्वारिका नाथ टैगोर (**Father :** Dwarikanath Tagore)

3) **भाई :-** रविंद्र नाथ टैगोर व सत्येंद्र नाथ टैगोर (**Brothers :** Rabindranath Tagore and Satyendranath Tagore)

4) **मुख्य कार्य (Main Works) :-**

- 1839 में कोलकाता में तत्वबोधिनी सभा की स्थापना (Founded Tattvabodhini Sabha in Kolkata in 1839)
- बंगाली भाषा में तत्वबोधिनी पत्रिका का संपादन (Edited the Tattvabodhini Patrika in Bengali language)
    - ‡ ब्रह्म समाज की मुख्य पत्रिका (Main journal of Brahmo Samaj)
    - ‡ अन्य संपादक :- ईश्वर चंद्र विद्यासागर, अक्षय कुमार दत्त, राजेंद्र लाल मित्र (Other editors : Ishwar Chandra Vidyasagar, Akshay Kumar Datt, Rajendra Lal Mitra)

5) 1840 में तत्वबोधिनी स्कूल की स्थापना (विज्ञान व धर्म शास्त्र के अध्ययन हेतु) / Founded Tattvabodhini School in 1840 (for the study of science and theology)

6) 21 दिसम्बर 1843 को ब्रह्म समाज प्रमुख बने (Became head of Brahmo Samaj on 21 December 1843)

6) केशव चन्द्र सेन को आचार्य पद से हटाया, जिससे 1865 में ब्रह्म समाज में प्रथम विभाजन हुआ (Removed Keshav Chandra Sen from the post of Acharya, leading to the first split in Brahmo Samaj in 1865)

केशवचंद्र सेन (3M) / Keshav Chandra Sen (3M)

1) 1838 को बंगाल में जन्मे समाज सुधारक व भारतीय ब्रह्म समाज के संस्थापक (1865) / Social reformer born in Bengal in 1838 and founder of Indian Brahmo Samaj (1865)
2) प्रथम दैनिक अंग्रेजी अखबार इंडियन मिरर के संस्थापक (1861) / Founder of the first daily English newspaper Indian Mirror (1861)
3) बाल व बहुविवाह समाप्ति हेतु **"ब्रह्म अधिनियम 1872"** पारित करवाया / Got the "Brahmo Act 1872" passed to end child marriage and polygamy

8.2) स्वामी दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज (Swami Dayanand Saraswati and Arya Samaj)

1) स्वामी दयानंद सरस्वती का परिचय / Introduction of Swami Dayanand Saraswati

3) स्वामी दयानंद सरस्वती का योगदान / Contribution of Swami Dayanand Saraswati

2) स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार / Thoughts of Swami Dayanand Saraswati

4) आर्य समाज (1875, बम्बई) / Arya Samaj (1875, Bombay)

A) स्वामी दयानंद सरस्वती

1) **सामान्य जानकारी :-**

- 'हिन्दू धर्म का मार्टिन लूथर'
- मूल नाम: मूलशंकर तिवारी।
- जन्म : 12 फरवरी 1824, मोरबी, गुजरात
- गुरु : स्वामी विरजानंद दांडीश (मथुरा)
- गुरु :- दंडी स्वामी पूर्णानंद → दयानन्द सरस्वती
  - ‡ स्वामी विरजानंद (मथुरा) → वेद

2) **मृत्यु → 30 अक्टूबर 1883 अजमेर**

- जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय
- नर्तकी (वेश्या) 'नन्ही जान' → दूध में पिसा हुआ कांच
- **पुस्तक** - सत्यार्थ प्रकाश (1874 में हिंदी भाषा)
- **अन्य पुस्तक** - पाखंड खंडन, वेदभाष्य भूमिका, ऋग्वेद भाष्य, अद्वैत मंत्र का खंडन, पंच महायज्ञ विधि, वल्लभाचार्य मत खंडन

A) Swami Dayanand Saraswati

1) **General Information :-**

- 'Martin Luther of Hinduism'
- Original name : Mulshankar Tiwari
- **Born :** 12 February 1824, Morbi, Gujarat
- **Guru :** Swami Virajanand Dandish (Mathura)
- **Guru :** Dandi Swami Purnanand → Dayanand Saraswati
  - ‡ Swami Virjanand (Mathura) → The Vedas

2) **Death → 30 October 1883, Ajmer**

- Maharaja Jaswant Singh II of Jodhpur
- Dancer 'Nanhi Jaan' mixed ground glass in his milk (cause of death)
- **Book :** Satyarth Prakash (1874, in Hindi)
- **Other books :** Pakhand Khandan, Vedbhashya Bhumika, Rigveda Bhashya, Refutation of Advaita Mantra, Panch Mahayagya Vidhi, Refutation of Vallabhacharya doctrine

2) मुख्य संस्थान :-

- आर्य समाज की स्थापना : 10 अप्रैल 1875 को बंबई
  - 1877 में इसका मुख्यालय लाहौर
- शुद्धि आंदोलन : हिंदू धर्म छोड़ चुके लोगों की वापसी के लिए
- परोपकारिणी सभा : 1883 में उदयपुर में स्थापित
- गोरक्षिणी सभा : 1882 में गायों की रक्षा के लिए स्थापित।
- **पाखंड खंडिनी पताका :** 1867 में हरिद्वार कुंभ

3) प्रमुख विचार और नारे :-

- "वेदों की ओर लौटो"
- "भारत, भारतीयों के लिए है" (India is for Indians)
- 'स्वराज' (स्व-शासन), 'स्वभाषा' और 'स्वदेशी' शब्दों का सबसे पहले प्रयोग स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही किया था।
- "मूर्तिपूजा, सीढ़ी नहीं किंतु एक बड़ी खाई है,

2) Main Institutions :-

- Founded Arya Samaj : 10 April 1875 in Bombay
  - Its headquarters moved to Lahore in 1877
- Shuddhi Movement : For reconversion of those who had left Hinduism
- Paropkarini Sabha : Established in Udaipur in 1883
- Gorakshini Sabha : Founded in 1882 for the protection of cows
- **Pakhand Khandini Pataka :** Raised at Haridwar Kumbh in 1867

3) Key Ideas and Slogans :-

- "Go back to the Vedas"
- "India is for Indians"
- The words 'Swaraj' (self-rule), 'Swabhasha' (own language) and 'Swadeshi' (own country) were first used by Swami Dayanand Saraswati
- "Idol worship is not a ladder but a great pit"

A) स्वामी दयानंद सरस्वती
A) Swami Dayanand Saraswati

1) सामान्य जानकारी :-

- 'हिन्दू धर्म का मार्टिन लूथर'
- मूल नाम : मूलशंकर तिवारी।
- जन्म : 12 फरवरी 1824, मोरबी, गुजरात
- गुरु : स्वामी विरजानंद दांडीश (मथुरा)
- गुरु :- दंडी स्वामी पूर्णानंद → दयानन्द सरस्वती
  - ‡ स्वामी विरजानंद (मथुरा) → वेद

2) मृत्यु → 30 अक्टूबर 1883 अजमेर

- जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय
- नर्तकी (वेश्या) 'नन्ही जान' → दूध में पिसा हुआ कांच

2) मुख्य संस्थान :-

- आर्य समाज की स्थापना : 10 अप्रैल 1875 को बंबई
  - 1877 में इसका मुख्यालय लाहौर
- शुद्धि आंदोलन : हिंदू धर्म छोड़ चुके लोगों की वापसी के लिए
- परोपकारिणी सभा : 1883 में उदयपुर में स्थापित
- गोरक्षिणी सभा : 1882 में गायों की रक्षा के लिए स्थापित।
- पाखंड खंडिनी पताका : 1867 में हरिद्वार कुंभ

3) प्रमुख विचार और नारे :-

- "वेदों की ओर लौटो" VEDAS
- भारत, भारतीयों के लिए है" (India is for Indians)
- 'स्वराज' (स्व-शासन), 'स्वभाषा' और 'स्वदेशी' शब्दों का सबसे पहले प्रयोग स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही किया था।
- "मूर्तिपूजा, सीढ़ी नहीं किंतु एक बड़ी खाई है,"

प्रमुख रचनाएँ / Major Works

पुस्तक : **सत्यार्थ प्रकाश** (1874, हिंदी भाषा)	**Book :** **Satyarth Prakash** (1874, Hindi language)
अन्य पुस्तक : पाखंड खंडन, वेदभाष्य भूमिका, ऋग्वेद भाष्य, अद्वैत मंत्र का खंडन, पंच महायज्ञ विधि, वल्लभाचार्य मत खंडन	**Other Books :** Pakhand Khandan, Vedbhashya Bhumika, Rigved Bhashya, Advait Mantra ka Khandan, Panch Mahayagya Vidhi, Vallabhacharya Mat Khandan

आर्य समाज का विभाजन (1892-93)
Split of Arya Samaj (1892-93)

1. पाश्चात्य शिक्षा का विरोध
Opposition to Western Education

1. पाश्चात्य शिक्षा का समर्थन
Support for Western Education

2. स्वामी श्रद्धानंद (महात्मा मुंशीराम) + पंडित लेखराम
Swami Shraddhanand (Mahatma Munshiram) + Pandit Lekhram

2. लाला लाजपत राय, हंसराज आदि
Lala Lajpat Rai, Hansraj etc.

3. ‘गुरुकुल (1902, हरिद्वार)
‘Gurukul (1902, Haridwar)’

3. दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज (1886, लाहौर)
Dayanand Anglo-Vedic College (1886, Lahore)

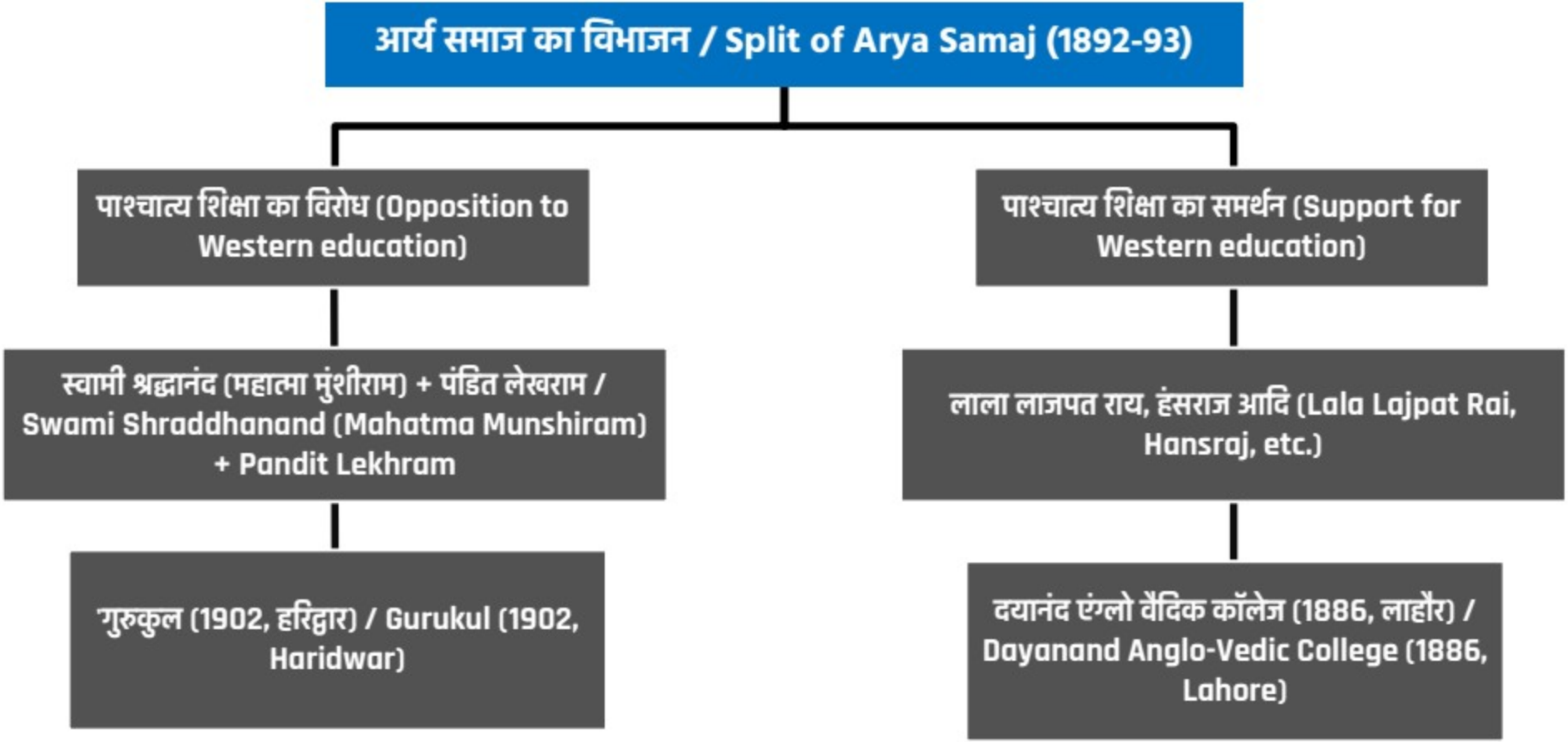
आर्य समाज का विभाजन / Split of Arya Samaj (1892-93)
पाश्चात्य शिक्षा का विरोध (Opposition to Western education)
स्वामी श्रद्धानंद (महात्मा मुंशीराम) + पंडित लेखराम / Swami Shraddhanand (Mahatma Munshiram) + Pandit Lekhram
गुरुकुल (1902, हरिद्वार) / Gurukul (1902, Haridwar)
पाश्चात्य शिक्षा का समर्थन (Support for Western education)
लाला लाजपत राय, हंसराज आदि (Lala Lajpat Rai, Hansraj, etc.)
दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज (1886, लाहौर) / Dayanand Anglo-Vedic College (1886, Lahore)

8.3) स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन (Swami Vivekananda and Ramakrishna Mission)

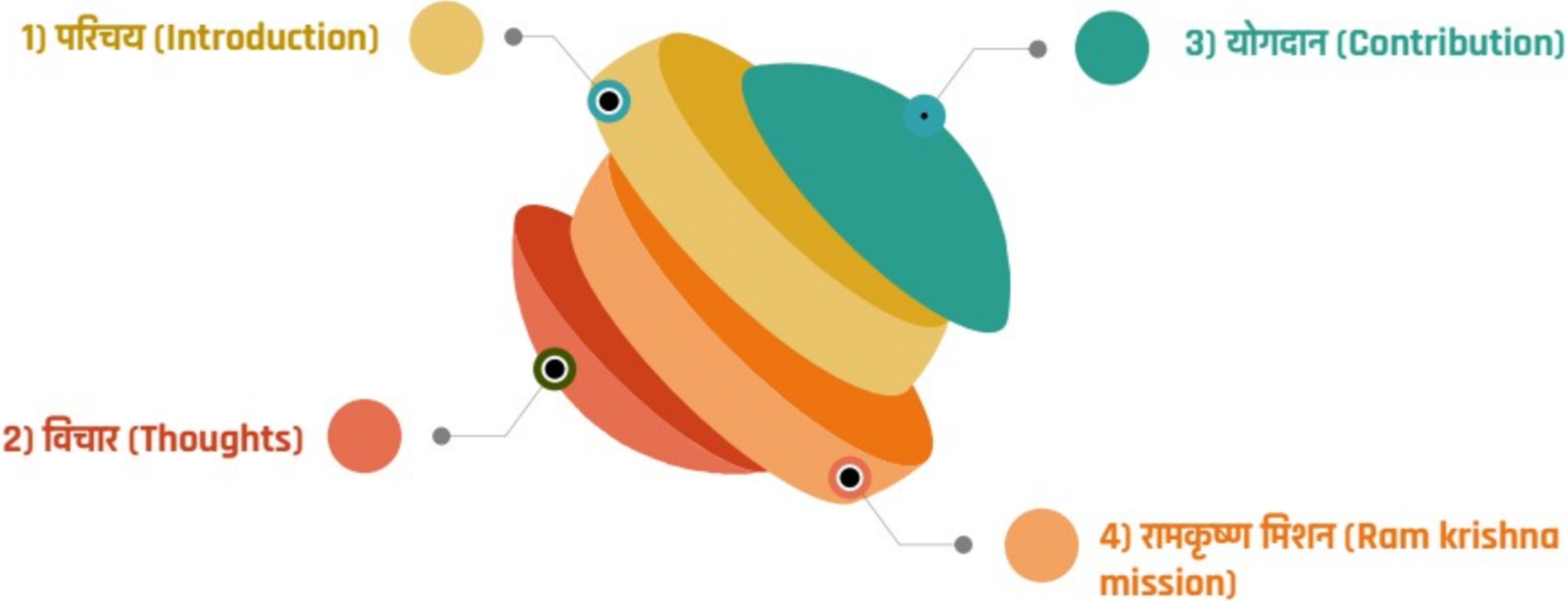

A) स्वामी विवेकानंद

1) सामान्य परिचय :-

- **जन्म :-** 12 जनवरी 1863 (कलकत्ता)
  - 1984 से राष्ट्रीय युवा दिवस
- **बचपन का नाम :-** नरेंद्रनाथ दत्त
- **गुरु :-** रामकृष्ण परमहंस
- खेतड़ी (राजस्थान) के राजा अजीत सिंह → विवेकानंद
- **शिष्या :-** सिस्टर निवेदिता (मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल, आयरलैंड)
- **मृत्यु :-** 4 जुलाई 1902, वेलूर, बंगाल
- **सुभाषचंद्र बोस :-** आधुनिक राष्ट्रीय आन्दोलन का आध्यात्मिक पिता

A) Swami Vivekananda

1) General Introduction :-

- **Born :-** 12 January 1863 (Calcutta)
  - National Youth Day observed since 1984 (on his birthday)
- **Childhood name :-** Narendranath Datta
- **Guru :-** Ramakrishna Paramahansa
- King Ajit Singh of Khetri (Rajasthan) gave him the name Vivekananda
- **Disciple :-** Sister Nivedita (Margaret Elizabeth Noble, Ireland)
- **Death :-** 4 July 1902, Belur, Bengal
- **Subhash Chandra Bose :-** Spiritual father of modern national movement

2) मुख्य कार्य व संस्थाएँ :-

- **नवंबर 1881 :** रामकृष्ण परमहंस से भेंट
  - "मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।"
- **11 सितम्बर 1893 :** अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित प्रथम विश्व धर्म सम्मेलन में भाषण
- **1894** → न्यूयॉर्क में वेदांत सोसाइटी
- 1 मई 1897 → कलकत्ता के पास बेलूर में रामकृष्ण मिशन की स्थापना
- 1899 → उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 'अद्वैत आश्रम'
- 1900 → कैलिफोर्निया में शांति आश्रम
- 1900 → द्वितीय विश्व धर्म सम्मेलन, पेरिस

2) Main Works and Institutions :-

- **November 1881 :** Met Ramakrishna Paramahansa
  - "Service to man is service to God"
- **11 September 1893 :** Delivered speech at the First World Parliament of Religions in Chicago, USA
- **1894** → Vedanta Society in New York
- 1 May 1897 → Established Ramakrishna Mission at Belur near Calcutta
- 1899 → Advaita Ashram in Almora, Uttarakhand
- 1900 → Shanti Ashram in California
- 1900 → Second World Parliament of Religions, Paris

A) स्वामी विवेकानंद
(A) Swami Vivekananda

(Main Works and Institutions)

1) सामान्य परिचय :- (General Introduction)

- जन्म :- 12 जनवरी 1863 (कलकत्ता)
  Birth: 12 January 1863 (Calcutta)
- 1984 से राष्ट्रीय युवा दिवस
  Since 1984, National Youth Day
- बचपन का नाम :- नरेंद्रनाथ दत्त
  Childhood Name: Narendranath Datta
- गुरु :- रामकृष्ण परमहंस
  Guru: Ramakrishna Paramahansa
- खेतड़ी (राजस्थान) के राजा अजीत सिंह → विवेकानंद
  King Ajit Singh of Khetri (Rajasthan) → Vivekananda
- शिष्या :- सिस्टर निवेदिता (मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल, आयरलैंड)
  Disciple: Sister Nivedita (Margaret Elizabeth Noble,
- मृत्यु :- 4 जुलाई 1902, बेलूर, बंगाल
  Death: 4 July 1902, Belur, Bengal
- सुभाषचंद्र बोस :- आधुनिक राष्ट्रीय आन्दोलन आन्दोलन का आध्यात्मिक पिता
  Subhash Chandra Bose: Spiritual Father of the Modern National Movement

2) मुख्य कार्य व संस्थाएँ :- (Main Works and Institutions)

- नवंबर 1881 : रामकृष्ण परमहंस से भेंट
  Nov 1881: Meeting with Ramakrishna Paramahansa
  - "मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।"
    Service to humanity is service to God.
- 11 सितम्बर 1893 : अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित प्रथम विश्व धर्म सम्मेलन में भाषण
  → 11 September 1893: Speech at the First World Parliament of Religions held in Chicago, USA
- 1894 → न्यूयॉर्क में वेदांत सोसाइटी
  1894 → Vedanta Society in New York
- 1 मई 1897 → कलकत्ता के पास बेलूर में रामकृष्ण मिशन की स्थापना
  1 May 1897 → Establishment of Ramakrishna Mission at Belur near Calcutta
- 1899 → उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 'अद्वैत आश्रम'
  1899 → 'Advaita Ashram' at Almora in Uttarakhand
- 1900 → कैलिफोर्निया में शांति आश्रम
  1900 → Shanti Ashram in California
- 1900 → द्वितीय विश्व धर्म सम्मेलन, पेरिस
  1900 → Second World Parliament of Religions, Paris

- पत्रिका
  - प्रबुद्ध भारत (English)
  - उद्बोधन (बंगाली)
  - ब्रह्मवादिनी

- Book
  - कोलंबो से अल्मोड़ा तक
  - मेरे गुरु
  - ज्ञान योग
  - राजयोग
  - कर्मयोग
  - भक्ति योग

NOTE

-: रामकृष्ण परमहंस :-

‡ रामकृष्ण परमहंस (1836-86) का मूल नाम गदाधर चट्टोपाध्याय था।

‡ वह कलकत्ता में गंगा नदी के पूर्वी तट पर दक्षिणेश्वर में काली देवी मंदिर के पुजारी थे और दक्षिणेश्वर संत के नाम से विख्यात थे।

‡ इन पर भैरवी और तोतापुरी जैसे संतो का प्रभाव था।

‡ संसार के सभी धर्म सच्चे रूप में ईश्वर तक पहुँचने के विभिन्न मार्ग हैं।

‡ उन्होंने धर्म की एकता और मानव सेवा पर सर्वाधिक बल दिया।

-: Ramakrishna Paramhansa :-

‡ The original name of Ramakrishna Paramhansa (1836–86) was Gadadhar Chattopadhyay.

‡ He was a priest of the Kali Devi temple at Dakshineswar on the eastern bank of the Ganges River in Calcutta and was known as Dakshineswar Sant.

‡ He was influenced by saints like Bhairavi and Totapuri.

‡ All the religions of the world are different paths to reach God in the true form.

‡ He laid maximum emphasis on unity of religion and service to mankind.

Personal	
Born	Gadadhar Chattopadhyaya 18 February 1836 Kamarpukur, Bengal Presidency, Company Raj (present-day West Bengal, India)
Died	16 August 1886 (aged 50) Cossipore, Calcutta, Bengal Presidency, British India (present-day Kolkata, West Bengal, India)
Religion	Hinduism
Nationality	British India
Spouse	Sarada Devi
School	Vedanta
Lineage	Dashanami Puri Sampradaya
Temple	Dakshineswar Kali Temple
Order	Self-realization (Enlightenment)
Founder of	Ramakrishna Order
Philosophy	Advaita Vedanta Bhakti yoga Tantra

8.4) थियोसोफिकल सोसायटी तथा एनी बेसेंट

A) परिचय

1) थियोसोफी शब्द दो ग्रीक शब्द थीयोस(ईश्वर)+सोफिया(ज्ञान) से बना है। जिसका अर्थ है ईश्वर का ज्ञान

2) **स्थापना :-** 7 सितंबर 1875 मैडम ब्लावात्स्की(रूसी महिला) एवं कर्नल हेनरी ऑल्काट (अमेरिकी सैनिक) द्वारा न्यूयॉर्क(संयुक्त राज्य अमेरिका) में कई गयी

3) **1882 :** मुख्य कार्यालय अड्यार(मद्रास) में स्थापित

4) **1897 :** एनी बेसेंट अध्यक्ष बनी जिन्होंने पूरे देश में आन्दोलन को फैलाया

8.4) Theosophical Society and Annie Besant

A) Introduction

1) The word Theosophy is derived from two Greek words theos (god) + sophia (knowledge). which means knowledge of God

2) **Establishment :-** 7 September 1875 Madam Blavatsky (Russian woman) and Colonel Henry Olcott (American soldier) visited New York (United States of America).

3) **1882 :** Head office established at Adyar (Madras)

4) **1897:** Annie Besant became the president who spread the movement across the country

B) उद्देश्य

1) धर्म को आधार बनाकर समाज सेवा करना
2) धार्मिक एवं भाईचारे की भावना को फैलाना
3) प्राचीन धर्म दर्शन एवं विज्ञान के अध्ययन में सहयोग करना
4) **सैद्धान्तिक आदर्श :-** हिंदू(सांख्य व वेदांत दर्शन) तथा बौद्ध धर्म
5) हिन्दू धर्म के पुनर्जन्म व कर्म के सिद्धांतों पर विश्वास
6) इस सोसाइटी की विचारधारा को देव विज्ञान की संज्ञा से भी अभिहित किया जाता है जिसमें धर्म दर्शन और रहस्य विद्या का अद्भुत मिश्रण है

B) Purpose

1) Doing social service on the basis of religion
2) To spread the spirit of religious and brotherhood
3) To cooperate in the study of ancient religion, philosophy and science
4) **Theoretical ideals :-** Hinduism (Samkhya and Vedanta Philosophy) and Buddhism
5) Hinduism's belief in the principles of reincarnation and karma
6) The ideology of this society is also known as Dev Vigyan, in which there is a wonderful mixture of religious philosophy and mystery.

8.5) प्रार्थना समाज व महादेव गोविंद रानाडे

8.5) Prarthana Samaj and Mahadev Govind Ranade

A) प्रार्थना समाज

A) Prathana samaj

1) 1867 में बम्बई में आत्माराम पांडुरंग महादेव गोविंद रानाडे द्वारा स्थापित हिंदू धर्म व समाज सुधारक संस्था

2) **मुख्य उद्देश्य :-**

- जाति व्यवस्था को अस्वीकृत करना
- विधवा विवाह को प्रोत्साहित करना
- स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहित करना
- विवाह की आयु में वृद्धि करना
- अछूत एवं दलित जाति की दशा को सुधारने के लिए कार्य करना

1) Hindu religious and social reform organization founded by Atmaram Pandurang Mahadev Govind Ranade in Bombay in 1867

2) **Main purpose :-**

- Reject the caste system
- Encourage widow remarriage
- Encourage women's education
- Increase the age of marriage
- To work to improve the condition of untouchables and downtrodden castes

3) मुख्य कार्य :-

- दलितों, अछूतों तथा पीड़ितों की दशा में सुधार हेतु दलित जाति मंडल, समाज सेवा संघ तथा दक्कन शिक्षा सभा का गठन किया
- दक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884 रानाडे द्वारा) को ही बाद में **पूना फर्ग्यूसन कॉलेज** कहा गया
- धोन्दो केशव कर्वे ने 1899 में विधवा आश्रम संघ की स्थापना पूना में की
- स्त्री शिक्षा के लिए श्री कर्वे ने 1916 में बम्बई में प्रथम भारतीय महिला विश्वविद्यालय की स्थापना की

3) Main work :-

- To improve the condition of Dalits, untouchables and victims, Dalit Caste Mandal, Samaj Seva Sangh and Deccan Education society were formed.
- The Deccan Education Society (1884 by Ranade) was later called **Poona Ferguson College**
- Dhondo Keshav Karve founded the Widow Ashram Sangh in Poona in 1899.
- For women's education, Shri Karve established the first Indian Women's University in Bombay in 1916.

8.6) यंग बंगाल आन्दोलन

1) **संस्थापक :-** हिंदू कॉलेज के एंग्लो इंडियन शिक्षक हेनरी विवियन डेरोजियो (1809-31)

2) **उद्देश्य :-** प्रेस की स्वतंत्रता, जमीदारों के अत्याचारों से रैय्यतों की सुरक्षा, सरकारी नौकरी में उच्च पदों पर भारतीयों की नियुक्ति

- **फ्रांसीसी क्रांति** से प्रभावित होने के कारण स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व जैसे गुणों का प्रसार
- डेरोजियोवादियों ने पुरानी पतनशील नीतियों एवं परंपराओं पर प्रहार किया

3) **मुख्य कार्य :-**

- एकेडमिक एसोसिएशन एवं सोसाइटी फॉर द एग्जीबिशन ऑफ जनरल नॉलेज की स्थापना
- इन्होंने एंग्लो इंडियन हिंदू एसोसिएशन: बंगहित सभा एवं डिबेटिंग क्लब की भी स्थापना की

8.6) Young Bengal Movement

1) **Founded :-** Henry vivian derozio (1809–31), anglo-indian teacher of the hindu college

2) **Purpose :-** Freedom of the press, protection of ryots from atrocities by landlords, appointment of Indians to high positions in government jobs

- Being influenced by the French Revolution, the spread of virtues like liberty, equality and fraternity
- Derozianists attack old decadent policies and traditions

3) **Major work :-**

- Establishment of Academic Association and Society for the Exhibition of General Knowledge
- He also founded the Anglo-Indian Hindu Association: Banghit Sabha and Debating Club.

➢ डेरोजियो ने **ईस्ट इंडिया नामक दैनिक पत्र** का भी संपादन किया

1) महाराष्ट्र में इसी तर्ज पर एलफिंस्टन कॉलेज के विद्यार्थियों ने यंग बंगाल की तर्ज पर **यंग बॉम्बे** आंदोलन चलाया

2) तत्कालीन भारत के कट्टर हिंदुओं ने डेरोजियो का कड़ा विरोध किया उनके मूलगामी विचारों के कारण उन्हें 1831 में हिन्दू कॉलेज से बर्खास्त कर दिया गया इसके कुछ ही दिनों बाद हैजे के कारण उनकी मृत्यु हो गई

3) हेनरी विवियन डेरोजियो को आधुनिक भारत का प्रथम राष्ट्रपति कवि माना जाता है

4) **सुरेंद्रनाथ बनर्जी :-** बंगाल की आधुनिक सभ्यता के जन्मदाता

➢ Derozio also edited the daily newspaper East India

1) In Maharashtra, the students at Elphinstone College started the **Young Bombay** movement on the lines of Young Bengal.

2) The hardline Hindus of the then India strongly opposed Derozio, because of his radical views, he was dismissed from the Hindu College in 1831, a few days later he died of cholera.

3) Henri Vivian Derozio is considered the first presidential poet of modern India.

4) **Surendranath Banerjee :-** The father of the modern civilization of Bengal

8.7) अन्य हिन्दू धर्म व समाज सुधार आंदोलन

आन्दोलन	तथ्य
1) परमहंस मंडली	▪ **स्थापना -** दादोबा पांडुरंग और बालकृष्ण जयकर की सहायता से आत्माराम पांडुरंग द्वारा 1849-50 में ▪ 1840 के दशक में महाराष्ट्र में धर्म सुधार आंदोलन का आरंभ परमहंस मंडली की स्थापना से माना जाता है ▪ यह संस्था एकेश्वरवाद एवं विश्व हिंदुत्व की भावना को प्रसारित करने के उद्देश्य से स्थापित हुई थी
2) स्वामीनारायण संप्रदाय	▪ **स्थापना -** स्वामी सहजानंद द्वारा गुजरात में 19वीं सदी के आरंभ में की गई ▪ इस संप्रदाय ने पवित्र जीवन पद्धति एवं एकेश्वरवाद पर बल दिया ▪ किस संप्रदाय की स्थापना वैष्णव धर्म में विद्यमान कर्मकांड और अंधविश्वासों के फल स्वरुप हुई ▪ इस संप्रदाय द्वारा शाकाहारी भोजन अपनाने तथा मांस मदिरा एवं नशीले पदार्थों के सेवन का त्याग करने पर विशेष बल दिया गया
3) देव समाज	▪ इसकी स्थापना 1887 ई. में ब्रह्म समाज के अनुयायी शिवनारायण अग्निहोत्री द्वारा लाहौर में की गई ▪ इस समाज का उद्देश्य प्रमुख मानवीय कर्म पर बल देते हुए आत्मा की शुद्धता, गुरु की श्रेष्ठता जैसे विचारों को प्रसारित करना था। ▪ इसमें सामाजिक व्यवहारों यथा- रिश्वत न लेना, मांसाहार ▪ का त्याग, मद्यपान का निषेध आदि को अपनाने पर जोर दिया गया। ▪ देव समाज की शिक्षाओं एवं सिद्धांतों को देवशास्त्र नामक पुस्तक में संकलित किया गया।

8.7) Other Hindu religions and social reform movements

Movement	Fact
1) paramahansa mandali	▪ **Established** in 1849-50 by Atmaram Pandurang with the help of Dadoba Pandurang and Balkrishna Jayakar ▪ The beginning of the religious reform movement in Maharashtra in the 1840s is believed to be with the establishment of the Paramhansa Mandali. ▪ This institution was established with the aim of spreading the spirit of monotheism and feeling of Hindutva.
2) swaminarayan sect	▪ **Established** - Started by Swami Sahajanand in Gujarat in the early 19th century ▪ This sect emphasized the sacred way of life and monotheism. ▪ Which sect was established as a result of rituals and superstitions existing in Vaishnavism? ▪ Special emphasis was given by this sect to adopt a vegetarian diet and to give up the consumption of meat, alcohol and intoxicants.
3) Dev Samaj	▪ It was founded in 1887 in Lahore by Shivnarayan Agnihotri, a follower of Brahmo Samaj. ▪ The purpose of this society was to spread ideas like purity of soul, superiority of Guru, emphasizing on the main human action. ▪ In this, social practices such as not taking bribe, non-vegetarian ▪ Emphasis was laid on adopting renunciation, prohibition of drinking etc. ▪ The teachings and principles of Dev Samaj were compiled in a book called Devshastra.

4) धर्मसभा	▪ धर्मसभा की स्थापना 1830 ई. में राधाकांत देव ने की थी। इसने सामाजिक-धार्मिक मामलों में रूढ़िवादी तत्त्वों के संरक्षण का प्रयास किया। यहाँ तक कि इसके द्वारा सती प्रथा को समाप्त किये जाने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। ▪ रूढ़िवादी विचारों से प्रेरित संस्था होने के बावजूद भी इसने बालिकाओं को पाश्चात्य शिक्षा प्राप्त करने का समर्थन किया।
5) राधास्वामी आंदोलन	▪ 1861 ई. में आगरा के बैंकर तुलसीराम (जिन्हें शिवदयाल साहब के नाम से भी जाना जाता है) ने राधास्वामी आंदोलन की शुरुआत की। ▪ इस आंदोलन के समर्थक सादगीपूर्ण सामाजिक जीवन-यापन पर बल देते हुए एक ही ईश्वर की सर्वोच्चता में विश्वास अनुपालन का प्रचार-प्रसार करते थे।
6) मद्रास हिंदू सुधार संघ	▪ 19वीं सदी में मद्रास प्रांत में 1892 ई. में वीरेशलिंगम पंतुलु द्वारा 'मद्रास हिंदू सामाजिक सुधार समिति' की स्थापना की गई। ▪ यह एक सामाजिक शुद्धतावादी आंदोलन था, जिसमें तत्कालीन सामाजिक, आडम्बरों और देवदासी प्रथा का व्यापक एवं तीव्र विरोध किया गया।
7) द सर्वेण्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	▪ 1905 ई. में इसकी स्थापना गोपाल कृष्ण गोखले ने पुणे-महाराष्ट्र में की थी। इसका उद्देश्य नौजवानों को सार्वजनिक जीवन के लिये प्रशिक्षित करना था। ▪ इसके सदस्यों ने राष्ट्रीय आंदोलन में हिस्सा लेते हुए अनेक सामाजिक कार्य किये।

4) Dharma sabha	▪ The Dharma Sabha was founded in 1830 by Radhakanta Dev. It tried to preserve the orthodox elements in socio-religious matters. Even its efforts to end the practice of Sati were opposed. ▪ Despite being an institution inspired by conservative ideas, it supported the girl child to get western education.
5) Radhasoami Movement	▪ In 1861 AD, the Agra banker Tulsiram (also known as Shivdayal Sahab) started the Radhasoami movement. ▪ The supporters of this movement propagated the belief in the supremacy of one God, adherence to simple social living.
6) Madras Hindu Reform Association	▪ In the 19th century, 'Madras Hindu Social Reform Society' was established by Veeresalingam Pantulu in Madras province in 1892 AD. ▪ It was a social purist movement, in which there was widespread and strong opposition to the then social, pomp and devadasi system.
7) The Servants of India Society	▪ It was established in 1905 AD by Gopal Krishna Gokhale in Pune-Maharashtra. Its purpose was to train the youth for public life. ▪ Its members took part in the national movement and did many social works.

8) सामाजिक सेवा संघ	▪ सामाजिक सेवा संघ की स्थापना 1921 ई. में नारायण मल्हार जोशी द्वारा बम्बई में की गई थी। ▪ इसका उद्देश्य लोगों के लिये अच्छी आजीविका के साधन उपलब्ध कराना था।
9) महार आन्दोलन	▪ 19वीं शताब्दी में प्रारंभ ▪ गोपाल बाबा वलंगकर, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर प्रमुख नेता ▪ महाराष्ट्र में अछूत महारो ने स्वयं को छत्रिय घोषित किया और सेना व सिविल सेवाओं में नौकरियों की मांग की ▪ अंबेडकर का आंदोलन सामाजिक सुधार से जुड़ा था
10) एझावा आंदोलन	▪ 19वीं शताब्दी में प्रारंभ ▪ **प्रमुख नेता -** नारायण गुरु ▪ केरल की एझावा जाति द्वारा नारायण गुरु के नेतृत्व में इस आंदोलन की शुरुआत हुई जो निम्न श्रेणी की खेती(नारियल) से जुड़ी थी

8) Samajik seva sangha	▪ Samajik seva sangha was established in Bombay in 1921 by Narayan Malhar Joshi. ▪ Its purpose was to provide the means of good livelihood for the people.
9) Mahar Movement	▪ Beginning in the 19th century ▪ Gopal Baba Valangkar, Dr. Bhimrao Ambedkar Prominent leaders ▪ In Maharashtra, the untouchable maharos declared themselves as umbrellas and demanded jobs in the army and civil services. ▪ Ambedkar's movement was associated with social reform
10) Ezhava Movement	▪ Beginning in the 19th century ▪ **Prominent Leader -** Narayan Guru ▪ This movement was started by the Ezhava caste of Kerala under the leadership of Narayan Guru which was associated with low grade cultivation (coconut)

8.8) मुस्लिम धर्म सुधार आन्दोलन (Muslim Reform Movement)

"19वीं सदी में भारत में मुस्लिम सुधार आंदोलन आरंभ हुए जिनका उद्देश्य इस्लाम में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वासों तथा रूढ़िवादिताओं को समाप्त करना था। हालांकि यह आंदोलन अनेक स्वरूपों में पुनर्स्थापना वादी थे" ("Muslim reform movements started in India in the 19th century, whose aim was to end the evils, superstitions and orthodoxy prevalent in Islam. Although this movement was restorationist in many forms.)

आंदोलन	प्रमुख नेता	वर्ष / मुख्य केंद्र	प्रकृति एवं मुख्य उद्देश्य (Nature & Objective)
वहाबी आंदोलन	सैयद अहमद बरेलवी	1820 का दशक (मुख्य केंद्र: पटना)	**पुनरुत्थानवादी (Revivalist):** इस्लाम में आए पश्चिमी प्रभावों को समाप्त करना और हजरत मुहम्मद के समय के शुद्ध इस्लाम को स्थापित करना था।
देवबंद आंदोलन	मुहम्मद कासिम ननौतवी एवं रशीद अहमद गंगोही	1866 देवबंद (सहारनपुर, उत्तरप्रदेश)	○ **पुनरुत्थानवादी (Revivalist):** अलीगढ़ आंदोलन के विपरीत, इन्होंने पश्चिमी शिक्षा का विरोध किया और कांग्रेस का समर्थन किया। ○ मौलाना अब्दुल कलाम आजाद
अहमदिया आंदोलन	मिर्ज़ा गुलाम अहमद	1889 (कादियान, पंजाब)	○ **सुधारवादी (Reformist) :** धर्मों की सार्वभौमिकता में विश्वास ○ स्वयं को हजरत मोहम्मद, कृष्ण तथा ईसा मसीह का अवतार मानते थे
अलीगढ़ आंदोलन	सर सैयद अहमद खान	1875 (मुहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना) (अलीगढ़, उ.प्र.)	**सुधारवादी (Reformist):** इसका मुख्य उद्देश्य मुसलमानों के बीच आधुनिक और वैज्ञानिक (पश्चिमी) शिक्षा का प्रसार करना था। इन्होंने पीरी-मुरीदी प्रथा और दास प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों का कड़ा विरोध किया।

Movement	Key Leader	Year / Main Centre	Nature & Objective
Wahhabi Movement	Syed Ahmad Barelvi	1820s (Main centre: Patna)	**Revivalist :** To eliminate Western influences that had entered Islam and to restore the pure Islam of the time of Hazrat Muhammad.
Deoband Movement	Muhammad Qasim Nanautawi & Rashid Ahmad Gangohi	1866 Deoband (Saharanpur, Uttar Pradesh)	○ **Revivalist :** Unlike the Aligarh Movement, they opposed Western education and supported the Congress. ○ Also associated with Maulana Abul Kalam Azad.
Ahmadiyya Movement	Mirza Ghulam Ahmad	1889 (Qadian, Punjab)	○ **Reformist :** Belief in the universality of religions. ○ He considered himself an avatar of Hazrat Muhammad, Krishna, and Jesus Christ.
Aligarh Movement	Sir Syed Ahmad Khan	1875 (Establishment of Muhammadan Anglo-Oriental College) (Aligarh, U.P.)	**Reformist :** Its main objective was to spread modern and scientific (Western) education among Muslims. He strongly opposed social evils such as the Piri-Muridi system and the practice of slavery.

8.9) पारसी सुधार आन्दोलन

संस्था	स्थापना वर्ष	संस्थापक / प्रमुख नेता	मुख्य उद्देश्य एवं महत्त्वपूर्ण कार्य	अन्य विवरण
सेवा सदन	1885 ई., बम्बई	बहराम जी.एम. मालाबारी	○ महिलाओं की स्थिति में सुधार लाना। ○ बाल विवाह के विरुद्ध व्यापक। ○ विधवा-पुनर्विवाह के पक्ष में	-
रहनुमाई मजदायसन सभा	1851 ई.	नौरोजी फरदोनजी, दादाभाई नौरोजी, के.एन. कामा एवं एस.एस. बंगाली	• पारसी समाज में सुधार लाना।	'रास्त गोफ्तार' (गुजराती)

8.9) Parsi Reform Movement

Institution	Year of Establishment	Founder / Key Leader	Main Objectives & Important Works	Other Details
Seva Sadan	1885 Bombay	Behramji M. Malabari	○ To improve the condition of women. ○ Strongly opposed child marriage. ○ In favour of widow remarriage.	–
Rahnumai Mazdayasnan Sabha	1851	Nauroji Furdoonji, Dadabhai Naoroji, K.N. Kama & S.S. Bengalee	○ To bring about reforms in Parsi society.	'Rast Goftar' (Gujarati)

8.10) सिख सुधार आन्दोलन (Sikh Reform Movement)

19वीं सदी में आरम्भ हुए समाज सुधार आंदोलनों से सिख समाज पर भी गहरा प्रभाव पड़ा। तत्कालीन सिख समाज में व्याप्त अंधविश्वास, रूढ़िवादिता, गुरुद्वारों में भ्रष्ट महंतों का वर्चस्व आदि के उन्मूलन करने की दृष्टि से निम्नलिखित सुधार आंदोलन काफी प्रभावी सिद्ध हुए (The social reform movements that started in the 19th century also had a profound impact on the Sikh society. The following reform movements proved to be very effective with a view to eradicating superstitions, orthodoxy, domination of corrupt Mahants in Gurdwaras, etc. prevalent in the then Sikh society.)

1) कूका आंदोलन एवं नामधारी आंदोलन (Kuka Movement and Namdhari Movement)

2) निरंकारी आंदोलन (Nirankari movement)

3) सिंह सभा आन्दोलन (Singh Sabha Movement)

4) गुरुद्वारा सुधार आंदोलन (Gurdwara Reform Movement)

आंदोलन का नाम	संस्थापक/प्रमुख नेता	मुख्य विवरण एवं उद्देश्य
कूका आंदोलन एवं नामधारी आंदोलन	बाबा बालक सिंह और बाबा राम सिंह	○ **उद्देश्य:** सिख धर्म में फैली बुराइयों और अंधविश्वासों को दूर करना। ○ **विशेषता:** इसे ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहले असहयोग आंदोलनों में से एक माना जाता है, जिसमें स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और विदेशी शिक्षा व वस्त्रों के बहिष्कार पर जोर दिया गया था।
निरंकारी आंदोलन	बाबा दयाल दास	○ **उद्देश्य:** मूर्ति पूजा और जटिल कर्मकांडों का विरोध करना। ○ **विशेषता:** इस आंदोलन ने केवल एक 'निराकार' (बिना आकार वाले) ईश्वर की पूजा करने पर बल दिया और सिख धर्म की मूल शिक्षाओं की ओर लौटने का आग्रह किया।
सिंह सभा आन्दोलन	ठाकुर सिंह संधावालिया, ज्ञानी ज्ञान सिंह (1873 में अमृतसर में स्थापित)	○ **उद्देश्य:** सिख धर्म की पवित्रता को बहाल करना और ईसाई मिशनरियों व अन्य धर्मों के प्रभाव को रोकना। ○ **विशेषता:** इन्होंने सिखों में आधुनिक शिक्षा के प्रसार पर बहुत जोर दिया, जिसके परिणामस्वरूप कई खालसा स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना हुई।
गुरुद्वारा सुधार आंदोलन *(अकाली आंदोलन)*	अकाली दल (1920 के दशक में)	○ **उद्देश्य:** गुरुद्वारों को भ्रष्ट और ब्रिटिश-समर्थित 'महंतों' (पुजारियों) के नियंत्रण से मुक्त कराना। ○ **विशेषता:** यह एक शांतिपूर्ण और अहिंसक जन आंदोलन था। इसकी सफलता के परिणामस्वरूप **सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925** पारित हुआ और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) की स्थापना हुई।

Movement Name	Founder / Key Leader	Main Details & Objectives
Kuka Movement & Namdhari Movement	Baba Balak Singh and Baba Ram Singh	○ **Objective :** To eliminate the superstitions and evils spread in Sikhism. ○ **Specialty :** It is considered one of the earliest non-cooperation movements against British rule, which emphasized adopting Swadeshi goods and boycotting foreign education and clothes.
Nirankari Movement	Baba Dayal Das	○ **Objective :** To oppose idol worship and complex rituals. ○ **Specialty :** This movement stressed worshipping only the 'Nirankar' (formless) God and urged a return to the core teachings of Sikhism.
Singh Sabha Movement	Thakur Singh Sandhawalia, Gyani Gyan Singh (established in Amritsar in 1873)	○ **Objective :** To restore the purity of Sikhism and prevent the influence of Christian missionaries and other religions. ○ **Specialty :** They placed great emphasis on spreading modern education among Sikhs, resulting in the establishment of several Khalsa schools and colleges.
Gurudwara Reform Movement *(Akali Movement)*	Akali Dal (in the 1920s)	○ **Objective :** To free Gurudwaras from the control of corrupt and British-backed 'Mahants' (priests). ○ **Specialty :** It was a peaceful and non-violent mass movement. As a result of its success, the **Sikh Gurudwara Act, 1925** was passed and the Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee (SGPC) was established.

8.11) जाति सुधार आन्दोलन का स्वरूप (Nature of Caste Reform Movements)

- समतामूलक एवं सुधारवादी (Egalitarian and reformist)
- क्रांतिकारी स्वरूप (Revolutionary in nature)
- लोकतांत्रिक स्वरूप (Democratic in nature)
- ब्रिटिश शासन के प्रति समर्थनवादी दृष्टिकोण (Supportive attitude towards British rule)

1) सत्यशोधक समाज

1) **स्थापना :-** 24 सितम्बर 1873 को ज्योतिबा फुले द्वारा पुणे (पूना), महाराष्ट्र में।

2) **उद्देश्य :-** निम्न जाति के लोगों एवं महिलाओं को शिक्षित

3) ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले → पूना में बालिका विद्यालय

4) **पुस्तक :-** गुलामगिरी, सार्वजनिक सत्यधर्म, तृतीय रत्न।

5) 'दीनबंधु' → सत्यशोधक समाज का मुखपत्र (1877, कृष्णराव पांडुरंग भालेकर)

1) Satyashodhak Samaj

1) **Founded :-** 24 September 1873 by Jyotiba Phule in Pune, Maharashtra

2) **Purpose :-** To educate lower caste people and women

3) Jyotiba Phule and his wife Savitribai Phule established a girls' school in Pune

4) **Books :-** Gulamgiri, Sarvajanik Satyadharma, Tritiya Ratna

5) 'Deenbandhu' → Mouthpiece of Satyashodhak Samaj (1877, Krishnarao Pandurang Bhalekar)

2) श्री नारायण धर्म परिपालन आंदोलन

1) एझवा → केरल में पारंपरिक रूप से ताड़ी निकालने (नारियल की खेती) का काम करने वाली जाति थी, जिन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता था।

2) नेतृत्व एवं स्थापना → श्री नारायण गुरु थे

3) उद्देश्य → एझवा जाति के सदस्यों के लिए मंदिरों एवं सार्वजनिक स्थलों में प्रवेश और बेहतर शिक्षा अधिकार।

4) 1924-25 के वायकॉम सत्याग्रह के समय में यह आंदोलन गांधीवादी राष्ट्रीय आंदोलन के छुआछूत विरोधी अभियानों से जुड़ गया।

2) Shri Narayana Dharma Paripalana Movement

1) Ezhava : A caste in Kerala traditionally engaged in toddy tapping (coconut cultivation) who faced social discrimination

2) Leadership and founding: Shri Narayana Guru

3) Purpose : Entry of Ezhava caste members into temples and public places, and better educational rights

4) During the Vaikom Satyagraha of 1924–25, this movement joined the Gandhian national movement's anti-untouchability campaigns

3) महार आंदोलन

1) महाराष्ट्र के अछूत माने जाने वाले महारों द्वारा 19वीं सदी के अंत में

2) नेतृत्व :- गोपाल बाबा वलंगकर

3) आंदोलनकारियों ने स्वयं के मूल निवासी और 'क्षत्रिय' होने का दावा किया तथा ब्रिटिश सेना एवं सिविल सेवाओं में अछूतों की भर्ती पर लगी रोक हटाकर अधिक नौकरियों की मांग की।

3) 1920 ई. में इसका नेतृत्व **डॉ. भीमराव अम्बेडकर** ने सम्भाला।

4) मुख्य सामाजिक मांगें: * तालाबों, मंदिरों एवं सार्वजनिक संपत्तियों के उपयोग का अधिकार (जैसे - 1927 का महाड सत्याग्रह)।

5) 'महार वतन' की समाप्ति: गांव के मुखिया और सवर्णों के घर पारंपरिक रूप से बिना वेतन के किए जाने वाले बाध्यकारी सेवा-कर्म (बेगार) को समाप्त करना।

3) Mahar Movement

1) By the Mahars, considered untouchables of Maharashtra, in the late 19th century

2) Leadership : Gopal Baba Walangkar

3) The activists claimed themselves to be original inhabitants and 'Kshatriyas'

4) And demanded more jobs by lifting the ban on recruitment of untouchables in British army and civil services

5) In 1920, Dr. Bhimrao Ambedkar took over its leadership

6) Main social demands: Right to use ponds, temples and public properties (e.g., Mahad Satyagraha of 1927)

7) Abolition of 'Mahar Watan': To end the compulsory unpaid forced labour (Begar) traditionally done at the homes of village heads and upper-caste people

विशेषता	4) आत्मसम्मान आंदोलन (Self-Respect Movement)	5) जस्टिस आंदोलन (Justice Movement)
प्रारंभ	1925 → तमिलनाडु	1916 → मद्रास
संस्थापक / नेतृत्व	ई. वी. रामास्वामी नायकर ('**पेरियार**')	डॉ. टी. एम. नायर, पी. त्यागराज चेट्टियार और सी. एन. मुदलियार
संस्था	आत्मसम्मान लीग	**दक्षिण भारतीय उदारवादी महासंघ** (SILF)
मुख्य उद्देश्य	पिछड़ी जातियों के लिए समान अधिकार • बिना ब्राह्मण पुजारियों के विवाह (आत्मसम्मान विवाह)	ब्राह्मण वर्चस्व का विरोध तथा शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में गैर-ब्राह्मणों के लिए **आरक्षण** की मांग।
प्रमुख समाचार-पत्र	*कुदी अरासु* (Kudi Arasu)	**'जस्टिस'** (अंग्रेजी पत्र)
विशेष तथ्य	1944 ई. में इसका जस्टिस पार्टी के साथ विलय कर दिया गया और एक नए संगठन **'द्रविड़ कड़गम' (Dravidar Kazhagam)** का गठन किया गया।	-

Feature	4) Self-Respect Movement	5) Justice Movement
Beginning	1925 → Tamil Nadu	1916 → Madras
Founder / Leadership	E. V. Ramasamy Naicker ('**Periyar**')	Dr. T. M. Nair, P. Thyagaraja Chettyar and C. N. Mudaliar
Organisation	Self-Respect League	**South Indian Liberal Federation (SILF)**
Main Objective	○ Equal rights for backward castes. ○ Marriages without Brahmin priests (Self-Respect Marriage).	○ Opposition to Brahmin dominance and demand for **reservation** for non-Brahmins in education and government jobs.
Key Newspaper	*Kudi Arasu*	**'Justice'** (English newspaper)
Special Facts	In 1944, it merged with the Justice Party and a new organisation **'Dravidar Kazhagam'** was formed.	—

8.12) प्रमुख समाज सुधारक

नाम	व्याख्या	छायाचित्र
1) पण्डित रमाबाई	1) महिला शिक्षा तथा अधिकारों हेतु समर्पित 19 वीं सदी की 2) महाराष्ट्र में 1882 में "आर्य महिला समाज" तथा विधवा पुनरुद्धार हेतु पूना में शारदा सदन(1889) की स्थापना	

2) सावित्री बाई फुले	1) महिला शिक्षा हेतु समर्पित समाज सुधार (ज्योतिबा फुले की पत्नी) 2) पुणे में भारत के प्रथम बालिका विद्यालय (1848) 3) पुस्तकों (काव्य फुले व बावनकशी) द्वारा महिला आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, विधवा पुनर्विवाह का प्रसार	

8.12) Major Social Reformers

Name	Explanation	Photograph
1) Pandit Ramabai	1) Dedicated to women's education and rights in the 19th century 2) Founded "Arya Mahila Samaj" in Maharashtra in 1882 and Sharada Sadan in Pune (1889) for widow rehabilitation	
2) Savitribai Phule	1) Social reformer dedicated to women's education (wife of Jyotiba Phule) 2) Founded India's first girls' school in Pune (1848) 3) Promoted women's self-reliance, empowerment and widow remarriage through books (Kavya Phule and Bavankashi)	

3) श्री धोन्दो केशव कर्वे	1) महिला उत्थान समर्थक व पूना फर्ग्युसन कॉलेज के प्राध्यापक 2) बम्बई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय(1916) व विधवाओं हेतु आश्रमों की स्थापना 3) महिलाओं हेतु व्यवसायिक शिक्षा के समर्थक 4) स्वयं विधवा से विवाह करके अपने विचारों को सुदृढ़ आधार प्रदान किया 5) 1958 में भारत रत्न से सम्मानित	

4) विष्णु शास्त्री पंडित	1) विधवा कल्याण हेतु समर्पित महाराष्ट्र के समाज सुधारक 2) महिला सुधारों हेतु विधवा विवाह नामक पुस्तक का मराठी अनुवाद 3) 1850 में विधवा पुनर्विवाह सभा की स्थापना	

5) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर	1) संस्कृत के प्रख्यात विद्वान व महान सुधारक 2) इनके प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 पारित हुआ 3) संस्कृत कॉलेज द्वारा विद्यासागर की उपाधि से सम्मानित 4) आधुनिक बांग्ला के प्रेणता	

3) Shri Dhondo Keshav Karve	1) Advocate for women's upliftment and professor at Pune's Ferguson College 2) Founded the first women's university in Bombay (1916) and ashrams for widows 3) Advocate for vocational education for women 4) Strengthened his ideals by himself marrying a widow 5) Awarded Bharat Ratna in 1958	

4) Vishnu Shastri Pandit	1) Social reformer of Maharashtra dedicated to widow welfare 2) Translated into Marathi the book "Widow Marriage" for women's reforms 3) Founded Widow Remarriage Association in 1850	

5) Ishwar Chandra Vidyasagar	1) Renowned Sanskrit scholar and great reformer 2) Due to his efforts, the Widow Remarriage Act 1856 was passed 3) Honoured with the title of 'Vidyasagar' by Sanskrit College 4) Pioneer of modern Bengali language	

6) गोपाल हरी देशमुख (लोकहितवादी)	1) लोकहितवादी उपनाम से प्रसिद्ध महाराष्ट्र के समाज सुधारक 2) पुनर्विवाह मंडल व विधवा पुनर्विवाह संस्थान की स्थापना 3) **पुस्तक** - जाति भेद 4) **अखबार/पत्रिका** - ➢ मराठी मासिक पत्रिका लोक हितवादी ➢ **अन्य** - गीता ताव, सुभाषित, प्रभाकर आदि 5) **कथन** - यदि कोई धर्म अपने में सुधार की आज्ञा नहीं देता तो उसे बदल देना चाहिए	

6) Gopal Hari Deshmukh (Lokhitwadi)	1) Social reformer of Maharashtra famous by the pen name 'Lokhitwadi' 2) Founded Remarriage Mandal and Widow Remarriage Institution 3) **Book** - Jati Bhed 4) **Magazine** - ➢ Marathi monthly magazine Lok Hitwadi ➢ **Others** - Gita Tav, Subhashit, Prabhakar, etc. 5) **Quote** - "If any religion does not permit reform within itself, it should be changed"	

डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर: आधुनिक भारत के निर्माता और सामाजिक न्याय के मसीहा

बाबासाहेब आम्बेडकर के जीवन, शिक्षा, सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण का कालानुक्रमिक विवरण

जन्म: 14 अप्रैल 1891
(महू, मध्य प्रदेश)

रामजी मालोजी सकपाल और भीमावाई की 14वीं संतान; बचपन से ही छुआछूत का सामना किया।

चार देशों से उच्च शिक्षा और कई डॉक्टरेट उपाधियाँ

बी.ए. (B.A.)	एम.ए. (M.A.)	पीएच.डी. (Ph.D.)	डी.एससी. (D.Sc.)
बॉम्बे विश्वविद्यालय	कोलंबिया विश्वविद्यालय	कोलंबिया विश्वविद्यालय	लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स; ग्रेज इन (बैरिस्टर-एट-लॉ);
अर्थशास्त्र और सवनीति विज्ञान	अर्थशास्त्र, समाजशारत, इतिहास	अर्थशास्त्र (प्रांतीम वित का विकास)	अर्थशास्त्र (रुपये की समस्या)

अर्थशास्त्री के रूप में पहचान

थीसिस ‘The Problem of the Rupee’ ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की स्थापना के लिए आधार प्रदान किया।

क्या आप जानते हैं?

बाबासाहेब को 11 भाषाओं का ज्ञान था और उनकी निजी लाइब्रेरी ‘राजगृह’ में 50,000 से अधिक पुस्तकें थीं।

- राष्ट्र निर्माण और संविधान (1947 - 1951)
- सामाजिक सुधार और संघर्ष (1924 - 1935)
- प्रारंभिक जीवन और शिक्षा (1891 - 1923)

विरासत और सम्मान

बाबासाहेब का मूल मंत्र
शिक्षित बनो, संवहित बनो, संघर्ष करो - आज भी प्रेरणा का स्रोत।

मरणोपरांत ‘भारत रत्न’ (1990)
भारत सरकार ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाज़ा।

‘द ग्रेटेस्ट इंडियन’ (2012)
एक सष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में आधुनिक भारत का सबसे महान व्यक्ति चुना गया।

धम्म परिवर्तन और अंतिम यात्रा (1956)

बौद्ध धम्म दीक्षा (14 अक्टूबर 1956)
नागपूर (डीक्षाभूमि) में 5 लाख अनुयामियों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण किया और 22 प्रतिज्ञाएँ दीं।

महापरिनिर्वाण: 6 दिलंबर 1956
दिल्ली में अंतिम सांस ली; मुंबई के दादर चौपाटी (चैतमभूमि) में बौद्ध रीति से अंतिम संस्कार।

राष्ट्र निर्माण और संविधान

भारतीव संविधान के जनक (1947-1950)
संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष; भारत को एक लोकतांनिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनाने का खाका तैयार किया।

स्वतत्र भारत के प्रधम कानून मंत्री
भारत की पहली केबिनेट में कार्य किया और न्यायिक ढांचे को मजबूत बनाया।

महिलाओं के अधिकारों के लिए ‘हिंदू कोड बिल’
उत्तराधिकार और विवाह कानूनों में लैंगिक समानता की वकालत; विरोध के चलते इस्तीफा दिया।

सामाजिक सुधार और संघर्ष (1924 - 1955)

‘मूकनायक’ और ‘बहिष्कृत हितकारिणी सभा’ (1920-24)
आहूतों की आवाज बुलंद करने के लिए पत्रिकाओं का प्रकाशन और संस्था की स्थापना।

महाड़ सत्याग्रह और मनुस्मृति दहन (1927)
सार्वजनिक चवदार जलाशय से पानी लेने के अधिकार के लिए संघर्ष; मनुस्मृति दहन।

“मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ, पर हिंदू के रूप में मरूँगा नहीं”
1935 में येवला में धर्म परिवर्तन की ऐतिहासिक घोषणा।

पूना पैक्ट (1932)
दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका के बजाय आरक्षित सीटें पर महात्मा गांधी के साथ ऐतिहासिक समझौता।

NotebookLM

सर सैयद अहमद खां: आधुनिक शिक्षा और सामाजिक सुधार के अग्रदूत

19वीं सदी के प्रमुख लमाज सुधारक और शिक्षाविद, जिन्होने 1857 के बाद भारतीय मुसलमानों की उपति के लिए आधुनिक शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को अनिवार्य माना और पारंपरिक कुरीतियों का विरोध किया।

सामाजिक और धार्मिक विचार

तर्कवाद और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सर सैनद ने कुरान की व्याख्या समकालीन वैज्ञानिक तर्क के आधार पर की और धर्म को समय के साथ वदलने पर जोर दिया।

सामाजिक कुरीतियों का विरोध

उन्होंने बहुविवाद, दास प्रथा और पीरी-मुरीदी जैसी प्रथाओं का कड़ा विरोध करते हुए महिला शिक्षा और अधिकारों का समर्थन किया।

हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक

उनका प्रसिद्ध कथन: 'हिंदु और मुसलमान भारत रूपी सुंदर वधू की दो ऑखें है।'

शैक्षिक योगदान: अलीगढ़ आंदोलन

1864

साइंटिफिक सोलाइटी की स्थापना

गाज़ीपुर में स्थापित इस संस्था का उद्देश्य पश्चिमी विज्ञान और साहित्य की पुस्तकों का उर्दू में अनुवाद करना था।

1875

मुहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल (MAO) कॉलेज

अलीगढ़ में स्थापित यह कॉलेज पश्चिमी और इस्लामी शिक्षा का केंद्र बना, जो 1920 में 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' (AMU) बना।

राजनीतिक दृष्टिकोण

ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठा

1857 के बाद मुसलमानों को सरकारी नौकरियाँ और संरक्षण दिलाने के लिए उन्होंने ब्रिटिश शासन के साथ संबंध सुधारने पर ध्यान दिया।

कांग्रेस का विरोध और प्राथमिकताएं

उन्होंने मुसलमानों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी, क्योंकि उनका मानना था कि राजनीति से पहले शिक्षा आवश्यक है।

यूनाइटेड इंडियन पैट्रियोटिक एसोसिएशन (1888)

कांग्रेस के प्रभाव को कम करने के लिए बनारस के राजा शिव प्रसाद के साथ मिलकर इस संस्था का गठन किया।

प्रमुख रचनाएँ और पत्रिकाएँ

तहज़ीब-उल-अखलाक़ (पत्रिका)

'सभ्यता और नैतिकता' के अर्थ वाली इस पत्रिका के माध्यम से उन्होंने सामाजिक सुधारों का प्रचार किया।

असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद (पुस्तक)

इसमें 1857 के विद्रोह के कारणों का विश्लेषण किया गया और यह स्पष्ट किया कि यह केवल मुसलमानों का विद्रोह नहीं

लॉयल मुहम्मडन्स ऑफ इंडिया

यह पुस्तक ब्रिटिश सरकार के प्रति भारतीय मुसलमानों की वफादारी को प्रदर्शित करने के लिए लिखी गई थी।

NotebookLM

भारतीय धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय आन्दोलन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण संगठन एवं संस्थाएँ

संस्थाएँ	स्थापना वर्ष	संस्थापक
1. एशियाटिक सोसाइटी	1784	विलियम जोन्स
2. आत्मीय सभा	1815	राजा राममोहन राय
3. वेदान्त कॉलेज	1825	राजा राममोहन राय
4. युवा बंगाल आन्दोलन	1826	हेनरी लुई विवियन डिरोजियो
5. ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय
6. हिन्दू धर्म सभा	1830	राधाकांत देव
7. लैण्ड होल्डर्स सोसाइटी	1838	द्वारिका नाथ टैगोर
8. तत्वबोधिनी सभा	1839	देवेन्द्रनाथ ठाकुर

Important Organizations and Institutions Related to Indian Religious, Social, and National Movements

Institution	Year of Establishment	Founder
1. Asiatic Society	1784	William Jones
2. Atmiya Sabha	1815	Raja Ram Mohan Roy
3. Vedanta College	1825	Raja Ram Mohan Roy
4. Young Bengal Movement	1826	Henry Louis Vivian Derozio
5. Brahmo Samaj	1828	Raja Ram Mohan Roy
6. Hindu Dharma Sabha	1830	Radhakant Deb
7. Land Holders' Society	1838	Dwarikanath Tagore
8. Tattvabodhini Sabha	1839	Devendranath Tagore

संस्थाएँ	स्थापना वर्ष	संस्थापक
10. परमहंस मंडली	1849	गोपाल हरिदेशमुख
11. रहनुमाई माजदायान सभा	1851	दादाभाई नौरोजी
12. बालिका विद्यालय	1851	ज्योतिबा फुले
13. राधा स्वामी सत्संग (आगरा)	1861	शिवदयाल साहब
14. मोहम्मडन एंग्लो लिटरेरी सोसाइटी	1863	अब्दुल लतीफ
15. साइंटिफिक सोसाइटी	1864	सर सैय्यद अहमद खाँ
16. वेद समाज	1864	आचार्य केशवचन्द्र सेन एवं श्री धरलु नायडू (मद्रास में)
17. ईस्ट इंडियन एसोसिएशन	1866	दादाभाई नौरोजी
18. पूना सार्वजनिक सभा	1867	एम. जी. रानाडे
19. प्रार्थना समाज	1867	केशवचन्द्र के सहयोग से एम. जी. रानाडे, डॉ. आत्माराम पांडुरंग, देवेन्द्रनाथ ठाकुर आदि

Institution	Year of Establishment	Founder
10. Paramhans Mandali	1849	Gopal Hari Deshmukh
11. Rahnumai Mazdayasnan Sabha	1851	Dadabhai Naoroji
12. Girls' School (Balika Vidyalaya)	1851	Jyotiba Phule
13. Radha Swami Satsang (Agra)	1861	Shivdayal Sahab
14. Mohammadan Anglo Literary Society	1863	Abdul Latif
15. Scientific Society	1864	Sir Syed Ahmad Khan
16. Veda Samaj	1864	Acharya Keshavchandra Sen and Shri Dharlu Naidu (in Madras)
17. East Indian Association	1866	Dadabhai Naoroji
18. Poona Sarvajanik Sabha	1867	M. G. Ranade
19. Prarthana Samaj	1867	M. G. Ranade, Dr. Atmaram Pandurang, Devendranath Tagore and others (with the cooperation of Keshavchandra)

संस्थाएँ	स्थापना वर्ष	संस्थापक
20. सत्यशोधक समाज	1873	ज्योतिबा फुले
21. अलीगढ़ मोहम्मडन एंग्लो ओरिएन्टल कॉलेज	1875	सर सैय्यद अहमद खाँ
22. आर्य समाज	1875	स्वामी दयानन्द सरस्वती
23. थियोसोफिकल सोसाइटी	1875	मैडम ब्लाट्स्की व कर्नल अल्काट
24. देव समाज (लाहौर)	1887	पं. शिव नारायण अग्निहोत्री
25. वेलूर मठ	1887	स्वामी विवेकानन्द
26. शारदा सदन	1889	रमाबाई
27. रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानन्द
28. वीमेन्स इण्डिया एसो.	1917	लेडी सदाशिव अय्यर

Institution	Year of Establishment	Founder
20. Satyashodhak Samaj	1873	Jyotiba Phule
21. Aligarh Muhammadan Anglo-Oriental College	1875	Sir Syed Ahmad Khan
22. Arya Samaj	1875	Swami Dayanand Saraswati
23. Theosophical Society	1875	Madam Blavatsky and Colonel Olcott
24. Dev Samaj (Lahore)	1887	Pt. Shiv Narayan Agnihotri
25. Belur Math	1887	Swami Vivekananda
26. Sharada Sadan	1889	Ramabai
27. Ramakrishna Mission	1897	Swami Vivekananda
28. Women's India Association	1917	Lady Sadashiv Ayyar

संस्थाएँ	स्थापना वर्ष	संस्थापक
29. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी	1920	एम. एन. राय (ताशकंद में)
30. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस	1920	एन. एम. जोशी (अध्यक्ष-लाला लाजपत राय)
31. बहिष्कृत हितकारिणी सभा	1924	बी.आर. अम्बेदकर
32. नौजवान सभा	1926	भगत सिंह, छबील दास व यशपाल

Institution	Year of Establishment	Founder
29. Communist Party of India	1920	M. N. Roy (in Tashkent)
30. All India Trade Union Congress	1920	N. M. Joshi (President — Lala Lajpat Rai)
31. Bahishkrit Hitakarini Sabha	1924	B. R. Ambedkar
32. Naujawan Sabha	1926	Bhagat Singh, Chhabil Das and Yashpal